JAGRAN CITY PAGE III

लवि : प्रो. संगीता साहू बनीं विभागाध्यक्ष एवं प्रोवोस्ट

लवि में व्यापार प्रशासन विभाग की हेड बनाए जाने पर प्रो. संगीता साहू को पूर्व हेड सजय मेधावी ने दी बधाई ● सौ. लवि

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के व्यापार प्रशासन विभाग की प्रोफेसर संगीता साहू को विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इस पद की जिम्मेदारी विभाग के शिक्षक संजय मेधावी के पास थी। उन्हें कुलसचिव दायित्व दिए जाने की वजह से यह बदलाव किया गया। इसके अलावा प्रो. संगीता साहू को कैलाश छात्रावास का प्रोवोस्ट भी बनाया गया है। (जास)

प्रो. अनूप बने चीफ प्रोवोस्ट

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को चीफ प्रोवोस्ट में भी बदलाव कर दिया गया है। अब एप्लाइड इकोनामिक्स विभाग के प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह को नया चीफ प्रोवोस्ट बनाया गया है। अभी तक बाटनी विभाग की प्रो. नलिनी पांडेय यह जिम्मेदारी संभाल रहीं थीं। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद यह बदलाव किया गया। (जास)

अब 10 तक भरें परीक्षा फार्म

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक व परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को आनलाइन परीक्षा फार्म भरने का एक और मौका दिया है। बीए, बीएससी, बीकाम द्वितीय सेमेस्टर, यूजी प्रबंधकीय, पीजी, प्रबंधकीय पीजी, पीजी डिप्लोमा, बीएससी-एमएससी एग्रीकल्चर, बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, ललित कला संकाय तथा विधि। (तीन वर्षीय, आनर्स), इंजीनियरिंग एवं आइएमएस द्वितीय सेमेस्टर के नियमित, बैक पेपर व एक्जेम्पटेड विद्यार्थी 10 अगस्त तक परीक्षा फार्म भर सकते है। (जास)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में अब लगानी होगी बायोमीट्रिक हाजिरी

शिक्षकों सहित सभी कर्मचारियों के लिए व्यवस्था लागू

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। अगस्त से ही सभी को बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करानी होगी। विवि प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार अगस्त से वेतन बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही दिया जाएगा। लविवि ने यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

कुलसचिव संजय मेधावी ने मंगलवार को ही पदभार ग्रहण किया और बुधवार को सभी शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने का आदेश जारी कर दिया। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी रोजाना समय से उपस्थित होकर बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज कराएं। गौरतलब है कि राज्यपाल ने बायोमीट्रिक से उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया था। तभी से विश्वविद्यालय में इसको लेकर कवायद शुरू हो गई थी। हालांकि ,बीच में शिक्षकों ने इसको लेकर आपत्ति भी दर्ज की थी, लेकिन लविवि प्रशासन ने राज्यपाल के आदेश पर इसे लागू करने की पूरी व्यवस्था कर ली। लविवि प्रशासन ने नैक टीम के दौरे से पहले हर विभाग में बायोमीट्रिक मशीन स्थापित कर दी थी। कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के बाद से अब इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। बुधवार शाम को आदेश जारी होने पर शिक्षकों और कर्मचारियों में इसको लेकर खलबली भी मच गई। हालांकि, अब कोई भी खुले तौर पर इसका विरोध नहीं कर पा रहा है।

अब केवल बायोमीट्रिक उपस्थिति से ही वेतन

कुलसचिव संजय मेधावी ने अपने आदेश में साफ किया है कि अगस्त से शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही देय होगा। लविवि में करीब 1800 शिक्षक व कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें करीब 700 शिक्षक हैं। परमानेंट व नॉन परमानेंट दोनों स्तर के स्टाफ को बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करनी होगी। शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए अलग-अलग समय निर्धारित है। उसी के अनुसार उन्हें उपस्थिति दर्ज करनी होगी।

लविवि : 10 तक भर सकते हैं परीक्षा फॉर्म

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि और संबद्ध कॉलेजों के छात्र सम सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म 10 अगस्त तक लविवि की वेबसाइट पर जाकर भर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक वीएन त्रिपाठी ने बताया कि सम सेमेस्टर जून 2022 परीक्षा के तहत बीए, बीएससी, बीकॉम द्वितीय, प्रबंधकीय के यूजी, पीजी, पीडी डिप्लोमा पाठ्यक्रम, बीएससी, एमएससी एग्रीकल्चर, बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड के छात्र परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।

इनके अलावा ललित कला संकाय, अन्य सेमेस्टर पाठ्यक्रमों, विधि तीन-पांच वर्षीय पाठ्यक्रम, इंजीनियरिंग संकाय, आईएमएस द्वितीय सेमेस्टर के नियमित, बैक पेपर और एग्जेम्पटेड की परीक्षाओं के लिए भी फॉर्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि लविवि के नियमित छात्रों को परीक्षा फॉर्म के साथ अलक से कोई शुल्क नहीं देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरकर सेमेस्टर की शुल्क रसीद के साथ संबंधित विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष कार्यालय में जमा करना होगा। बैकपेपर, इंप्रूवमेंट और एग्जेंप्टेड छात्रों को परीक्षा शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। वहीं, संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को भी परीक्षाफॉर्म के साथ निर्धारित शुल्क अपने महाविद्यालय में जमा करना होगा।

जेएनपीजी में अब 25 तक आवेदन

लखनऊ। श्री जयनारायण मिश्र पीजी महाविद्यालय ने स्नातक में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। प्राचार्य प्रो. मीता शाह ने बताया कि छात्र अब 25 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। पहले अंतिम तिथि पांच अगस्त थी। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. अनूप बने चीफ प्रोवोस्ट

लखनऊ। लविवि के एप्लाइड इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट के प्रो. अनूप कुमार सिंह को चीफ प्रोवोस्ट बनाया गया है। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन के प्रस्ताव पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने इसकी स्वीकृति दी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. संगीता बनीं विभागाध्यक्ष व प्रोवोस्ट

लखनऊ। लविवि के व्यापार प्रशासन विभाग का हेड प्रोफेसर संगीता साहू को बनाया गया है। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। उनको कैलाश हॉस्टल के प्रोवोस्ट की भी जिम्मेदारी दी गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

चौरीचौरा पर पुस्तक प्रकाशित

लखनऊ। लविवि के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग ने 'चौरी चौरा : नवीन दृष्टिकोण' नामक पुस्तक प्रकाशित की है। पुस्तक को शोध छात्रों विकास कुमार, विश्वजीत सिंह चौहान, रजत मिश्रा, अनूप कुमार और अदिति सिंह ने लिखा है। (माई सिटी रिपोर्टर)

विदेशी छात्रों को दिए एलुमिनी कार्ड

लखनऊ। लविवि से इस साल परीक्षा पास करने वाले विदेशी विद्यार्थियों को बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के लखनऊ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में एलुमिनी कार्ड प्रदान किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक अरविंद कुमार, लविवि के अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार प्रो. आर पी सिंह व अन्य मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

नई शिक्षा नीतिः तीसरे सेमेस्टर में आने पर पहले सेमेस्टर में फेल विषय की परीक्षा

स्नातक में कोई नहीं होगा फेल शून्य अंक पर भी प्रोन्नत होंगे

■ जावेद मुस्तफा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और सम्बद्ध सभी कॉलेजों के बीए, बीएससी और बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं जीरो के अंक मिलने पर भी फेल नहीं होंगे, न ही उनको बैकपेपर देना पड़ेगा। सभी छात्र-छात्राओं को दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्नातक स्तर में भी लागू हो चुकी है। जिसमें सबसे बड़ा फायदा है कि सभी छात्रों को प्रमोट किया जाएगा।

सिर्फ वहीं छात्र पहले से दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट नहीं होंगे जो यूएफएम में बुक होंगे या पूरी परीक्षा में शामिल नहीं होंगे।

जानकारी के अनुसार भले ही विद्यार्थी को 33 फीसदी से अंक कम क्यों न मिले हों, अगर विद्यार्थी के अंक जीरो भी हैं तो भी उसे दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट किया जाएगा। इस सुविधा का लाभ बीए, बीएससी और बीकॉम के साथ ही एनईपी के अन्तर्गत सभी स्नातक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को मिलेगा। एक लाख 22 हजार 268 छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा।

दूर होगा छात्रों का भ्रम

बीएससी के परिणाम जारी होने के बाद जिन छात्रों के 33 फीसदी से कम होने पर जीरो ग्रेड प्वाइंट मिले हैं। उन छात्रों में भ्रम है कि वे दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट नहीं होंगे। जिसके बाद छात्रों ने एलयू में प्रदर्शन किया था लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय ने साफ कर दिया है कि सभी छात्रों को दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट किया जाएगा।

01 लाख 22 हजार से अधिक छात्रों को इसका लाभ मिलेगा
05 जिलों के 545 कॉलेज संबद्ध हैं इस समय एलयू से
175 डिग्री कॉलेज लखनऊ में एनईपी के दायरे में आएंगे
370 कॉलेज सीतापुर, हरदोई लखीमपुर, रायबरेली में

बीएससी: 10 हजार छात्रों के 33 फीसदी से कम अंक

एलयू ने हाल ही बीएससी प्रथम वर्ष का परिणाम जारी किया था। बड़ी संख्या में जीरो अंक मिलने की शिकायत की थी। जिसके बाद विश्वविद्यालय ने साफ किया था कि छात्रों के अंक नहीं बल्कि क्रेडिट प्वाइंट के आधार पर मिले ग्रेड प्वाइंट जीरो हैं। जिसके बाद मामला शांत हुआ। परिणामों में सख्त मूल्यांकन नीति दिखी है। 10 हजार छात्र-छात्राओं को 25 फीसदी से कम अंक मिले हैं।

पाठ्यक्रम और विद्यार्थी

बीए एनईपी	85772
बीएससी एनईपी	25316
बीकॉम एनईपी	11180

> एनईपी में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के जीरो अंक मिले तो भी छात्र प्रमोट होंगे।
> विद्यानन्द त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक

तीसरे सेमेस्टर में मौका

एनईपी के तहत स्नातक प्रथम सेमेस्टर में यदि कोई छात्र किसी विषय में फेल है तो भी उसे दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट कर दिया जाएगा। जब छात्र तीसरे सेमेस्टर में आएगा तो उसे पहले सेमेस्टर में फेल विषय की भी परीक्षा देनी होगी। इससे छात्रों को एक साल का समय मिलेगा और एलयू पर बैक का दबाव कम होगा।

एलयू में परीक्षा फॉर्म भरने का मौका 10 अगस्त तक

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। सम सेमेस्टर जून 2022 बीए, बीएससी, बीकॉम द्वितीय सेमेस्टर एवं यूजी प्रबंधकीय, पीजी, डिप्लोमा, बीएससी एग्रीकल्चर, बीएड, एमएड बीपीएड, एमपीएड एवं ललित कला संकाय एवं अन्य सेमेस्टर और विधि तीन वर्षीय एवं आनर्स, इंजीनियरिंग संकाय के नियमित एवं बैक पेपर, एग्जेमटेड की परीक्षाओं के ऑनलाइन फार्म 10 अगस्त तक भरने होंगे।

12 अगस्त तक करें आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक के साथ ही परास्नातक और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन तिथि 12 अगस्त बढ़ा दी गई है। इस सम्बंध में कुलसचिव ने बुधवार को आदेश जारी किया।

शिक्षकों, कर्मचारियों की बायोमीट्रिक उपस्थिति शुरू

लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की बायोमीट्रिक उपस्थित दर्ज होना शुरू हो गई है। कुलसचिव संजय मेधावी ने शिक्षकों, कर्मचारियों को समय से उपस्थित होने और बायोमीट्रिक मशीन से उपस्थिति दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। शासन से आदेश मिलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में बायोमीट्रिक मशीन लगाने का काम शुरू दिया गया था। कुलसचिव संजय मेधावी ने कहा कि अगस्त से शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन भुगतान बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर किया जाएगा।

अनूप कुमार चीफ प्रोवोस्ट

लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के प्रो. अनूप कुमार सिंह को चीफ प्रोवोस्ट बनाया गया है। चीफ प्रोवोस्ट बनने पर प्रो. अनूप कुमार को एलयू शिक्षकों ने बधाई दी। इसके साथ ही प्रो संगीता साहू को व्यापार प्रशासन विभाग का विभागाध्यक्ष और कैलाश छात्रावास की प्रोवोस्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस सम्बंध में कुलसचिव ने आदेश जारी कर दिए हैं।

DAINIK JAGRAN PAGE 1

लवि में बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

जास, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के दोनों परिसर में शिक्षकों व कर्मचारियों को बायोमीट्रिक उपस्थिति लगाना अनिवार्य होगा। इसके लिए विभागों में मशीनें लगा दी गई हैं। अगस्त का वेतन बायोमीट्रिक उपस्थिति से ही जारी किया जाएगा। बुधवार को कुलसचिव संजय मेधावी ने संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक एवं समन्वयक को निर्देश जारी कर दिए हैं।

लवि में 1800 नियमित एवं संविदा शिक्षक व कर्मचारी हैं। अप्रैल में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निरीक्षण में बहुत कर्मचारी व शिक्षक अनुपस्थित मिले थे। मई में राज्यपाल ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों में 30 मई तक बायोमीट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था अनिवार्य करने के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद से लवि ने बायोमीट्रिक मशीनें लगवाई हैं।

i-NEXT PAGE 4

शताब्दी वर्ष के जश्न पर पुस्तक प्रकाशित

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग ने 'चौरी चौरा नवीन दृष्टिकोण' शीर्षक से पुस्तक प्रकाशित की है. चौरी चौरा की घटना के शताब्दी वर्ष का जश्न मनाने के संदर्भ में लिखी गयी यह पुस्तक रिसर्च स्कॉलर के विभिन्न रिसर्च लेखों का संकलन है. रिसर्च स्कॉलर विकास कुमार, विश्वजीत सिंह चौहान, रजत मिश्रा, अनूप कुमार और अदिति सिंह ने घटना का पुनरावलोकन किया है. पुस्तक का सम्पादन मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शमा महमूद ने किया है.

एलयू में बायोमैट्रिक अटेंडेंस हुई अनिवार्य

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज होना शुरू हो गई है. कुलसचिव संजय मेधावी ने शिक्षको, कर्मचारियों को समय से यूनिवर्सिटी में उपस्थित होने और बायोमैट्रिक मशीन से उपस्थित दर्ज करने के आदेश दिए हैं. शासन से आदेश मिलने के बाद लखनऊ यूनिवर्सिटी में बायोमैट्रिक मशीन लगाने का काम शुरू दिया गया था. जिसके बाद अगस्त माह से बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं. कुलसचिव संजय मेधावी ने कहा कि अगस्त माह 2022 से शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन भुगतान बायोमैट्रिक उपस्थिति के आधार पर किया जाएगा.

JAGRAN CITY PAGE III

चौरी चौरा की घटना पर प्रकाशित की किताब

जास, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग ने संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की पहल पर चौरी चौरा : नवीन दृष्टिकोण नामक एक पुस्तक प्रकाशित की है। यह पुस्तक आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत चौरी चौरा की घटना के शताब्दी वर्ष का जश्न मनाने के संदर्भ में लिखी गई है। किताब का संपादन विभागाध्यक्ष शमा महमूद ने किया है।

उन्होंने बताया कि यह किताब विभाग के शोधार्थियों की ओर से लिखे गए विभिन्न शोध लेखों का संकलन है। शोधकर्ताओं में विकास कुमार, विश्वजीत सिंह चैहान, रजत मिश्र, अनूप कुमार और अदिति सिंह ने चौरी चौरा की घटना का पुनरावलोकन किया। संपादकीय बोर्ड में विभाग के शिक्षक प्रो. शमा महमूद, प्रो. एसए रिजवी, डा. मनीषा शामिल हैं। अनुसंधान समिति में विभाग के पूर्व शिक्षक प्रो. प्रदीप घोष, प्रो. अरूप चक्रवर्ती, प्रो. रंजना मिश्रा और एमडी शाह महिला कालेज आफ आर्टस एंड कामर्स, मलाद, मुंबई महाराष्ट्र की सहभागिता है।

PIONEER PAGE 3

एलयू में बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर मिलेगा वेतन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज होना शुरू हो गई है। कुलसचिव संजय मेधावी ने शिक्षकों कर्मचारियों को समय से विश्वविद्यालय में उपस्थित होने और बायोमैट्रिक मशीन से उपस्थित दर्ज करने के आदेश जारी किए है। शासन से आदेश मिलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में बायोमैट्रिक मशीन लगाने का काम शुरू दिया गया था। जिसके बाद अगस्त माह से बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं। कुलसचिव संजय मेधावी ने कहा कि अगस्त माह 2022 से शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन भुगतान बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर किया जाएगा।

10 अगस्त तक भरे परीक्षा फार्म

लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। सम सेमेस्टर जून 2022 बीए, बीएससी, बीकॉम द्वितीय सेमेस्टर एवं यूजी प्रबंधकीय, पीजी, डिप्लोमा, बीएससी एग्रीकल्चर, बीएड, एमएड बीपीएड, एमपीएड एवं ललित कला संकाय एवं अन्य सेमेस्टर और विधि तीन वर्षीय एवं आनर्स, इंजीनियरिंग संकाय के नियमित एवं बैक पेपर, एग्जेमटेड की परीक्षाओं के ऑनलाइन फार्म 10 अगस्त तक भरने होंगे।

12 अगस्त तक करें आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक के साथ ही परास्नातक और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन तिथि 12 अगस्त बढ़ा दी गई है। इस सम्बंध में कुलसचिव ने बुधवार को आदेश जारी किया।

अनूप कुमार बने चीफ प्रोवोस्ट

लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के प्रो अनूप कुमार सिंह को चीफ प्रोवोस्ट बनाया गया है। चीफ प्रोवोस्ट बनने पर प्रो अनूप कुमार को एलयू शिक्षकों ने बधाई दी। इसके साथ ही प्रो संगीता साहू को व्यापार प्रशासन विभाग का विभागाध्यक्ष और कैलाश छात्रावास की प्रोवोस्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस सम्बंध में कुलसचिव ने आदेश जारी कर दिए हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि ने बढ़ायी ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि वढ़ा दी गयी है। सम सेमेस्टर जून 2022 वीए, वीएससी, वीकॉम द्वितीय सेमेस्टर एवं यूजी प्रवंधकीय, पीजी, डिप्लोमा, वीएससी एग्रीकल्चर, वीएड, एमएड वीपीएड, एमपीएड एवं ललित कला संकाय व अन्य सेमेस्टर और विधि तीन वर्षीय एवं आनर्स, इंजीनियरिंग संकाय के नियमित तथा वैक पेपर, एग्जेमटेड की परीक्षाओं के ऑनलाइन फार्म 10 अगस्त तक भरने होंगे।

चीफ प्रोवोस्ट बने अनूप

लखनऊ। लविवि के एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के प्रो. अनूप कुमार सिंह को चीफ प्रोवोस्ट बनाया गया है। चीफ प्रोवोस्ट वनने पर प्रो. अनूप कुमार को विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने वधाई दी। इसके साथ ही प्रो. संगीता साहू को व्यापार प्रशासन विभाग का विभागाध्यक्ष और कैलाश छात्रावास की प्रोवोस्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

एमएससी: प्रायोगिक परीक्षा 29-30 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एमएससी फार्मास्टिकल केमेस्ट्री चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 29 और 30 अगस्त को होगी। सुबह 10 से शाम पांच बजे तक प्रयोगात्मक परीक्षा फार्मास्टिकल केमेस्ट्री लैब में होगी।

10 तक भरें परीक्षा फार्म

लखनऊ। लविवि ने ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। सम सेमेस्टर जून 2022 बीए, बीएससी, बीकॉम द्वितीय सेमेस्टर एवं यूजी प्रबंधकीय, पीजी, डिप्लोमा, बीएससी एग्रीकल्चर, बीएड, एमएड बीपीएड, एमपीएड एवं ललित कला संकाय एवं अन्य सेमेस्टर और विधि तीन वर्षीय एवं आनर्स, इंजीनियरिंग संकाय के नियमित एवं बैक पेपर, एग्जेमटेड की परीक्षाओं के ऑनलाइन फार्म 10 अगस्त तक भरने होंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बायोमीट्रिक सिस्टम लागू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की बायोमीट्रिक उपस्थित दर्ज होना शुरू हो गई है। कुलसचिव संजय मेधावी ने शिक्षकों, कर्मचारियों को समय से विश्वविद्यालय में उपस्थित होने और बायोमीट्रिक मशीन से उपस्थिति दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। लविवि में बायोमीट्रिक मशीन लगाने का काम शुरू दिया गया था।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

नई शिक्षा नीति के ग्रेडिंग प्रणाली से छात्रों में भ्रम की स्थिति

भ्रमित ना हों छात्र, शून्य ग्रेड है आपके प्राप्तांक नहीं

दीपांकुर सक्सेना।

शून्य ग्रेड को शून्य अंक समझने के कारण आक्रोशित हो रहे छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद नई प्रणाली के अंतर्गत ग्रेडिंग व्यवस्था को लागू किया गया है। इस व्यवस्था के आधार पर कुछ ही दिन पहले बीएससी या परिणाम घोषित किया गया है जिसके बाद से छात्र छात्राओं में काफी आक्रोश है। विद्यार्थियों का आरोप है कि विश्वविद्यालय से कई विषयों में उन्हें शून्य अंक दिए गए है जबकि उन्होंने पेपर में काफी कुछ लिखा था। यह समस्या किसी एक विद्यार्थी नहीं बल्कि अधिकतर सहयुक्त कॉलेजों के विद्यार्थियों को परेशान कर रही थी और इसी क्रम में उन्होंने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया लेकिन पड़ताल करने पर पता लगा यह समस्या छात्रों को हुए भ्रम के कारण उत्पन्न हुई है। दरअसल छात्र जिसके शून्य अंक समझ रहे हैं वह उनको विश्वविद्यालय से उनके प्रदर्शन के आधार पर प्राप्त ग्रेड हैं। यह ग्रेड प्राप्तांक के आधार पर 1 से 10 के बीच 100 अंक के प्राप्तांक को विभाजित करके बनाये गए है। अगर किसी को शून्य ग्रेड मिला है तो इसका यह अर्थ नहीं है की उसके प्राप्तांक शून्य है दरअसल उसको 33 से कम अंक प्राप्त हुए है और 33 से कम अंक प्राप्त करने वाले को ग्रेड शून्य दिया जाता है इस कारण उनको शून्य ग्रेड दिया गया है। इसी ग्रेडिंग सिस्टम को विस्तृत ढंग से समझाने और छात्रों का भ्रम दूर करने के लिए हमने विश्वविद्यालय प्रशासन से बात की गई तो कई तरह के चौकाने वाले तथ्य सामने आये।

आसान शब्दों में समझें क्या है ग्रेडिंग प्रणाली

सरल शब्दों में ग्रेडिंग सिस्टम के अंतर्गत किसी भी विषय में विद्यार्थियों को क्रेडिट पॉइंट और ग्रेड पॉइंट दिया जाता है। सभी विषयों के क्रेडिट और ग्रेड पॉइंट के औसत को ही उस सेमेस्टर या एसजीपीए यानी सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत माना जाता है। जो कि विद्यार्थी की उस सेमेस्टर के प्रदर्शन को ग्रेड रूप में औसतांक के रूप में दर्शाता है। मान लीजिये किसी एक विद्यार्थी के किसी विषय में क्रेडिट पॉइंट 4 और ग्रेड पॉइंट 6 है इन दोनों का गुणन हुआ 24 जो की उस विषय का सीजी वे गया इस प्रकार सभी विषयों का सीजी निकाल कर उनका योग कर लिया जाता है इस योग को कुल क्रेडिट मार्क्स से भाग देने पर जो प्राप्तांक प्राप्त होता है वही उसका उस सेमेस्टर का कुल ग्रेड अर्थात सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत होता है जो कि उसके प्रदर्शन को दर्शाता है।

आखिर क्यों उत्पन्न हुई भ्रम की स्थिति

लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जब भी कोई नई व्यवस्था का प्रारम्भ होता है तो उसको समझने के दौरान शुरू में थोड़ी दिक्कत आती है लेकिन धीरे-धीरे व्यवस्था समझ आने के बाद सब कुछ आसान हो जाता है। विश्वविद्यालय ने हमेशा से विद्यार्थियों की समस्या को समझा है। हम हर तरह की समस्याओं को त्वरित संज्ञान में लेते हुए उनके शीघ्र निस्तारण का प्रयास कर रहे है और जल्द ही इस नई व्यवस्था को छात्र छात्रों को समझा दिया जाएगा जिससे उनको किसी प्रकार कोई भी भ्रम नहीं रह जाये।

दुर्गेश श्रीवास्तव- प्रवक्ता- लखनऊ विश्वविद्यालय

ग्रेड से कैसे जाने कितने हैं प्राप्तांक

विश्वविद्यालय ने 100 अंको को विभाजित करके 1 से 10 तक ग्रेड निर्धारित किये है। यदि किसी को 100 से 85 के बीच अंक मिले है तो उसे 10 से 8.5 ग्रेड दिया जाएगा। इसी प्रकार यदि उसे 85 से 70 के बीच अंक मिले हैं तो उसे 8.5 से 7.0 ग्रेड दिया जाएगा। 70 से 60 के बीच अंक पाने वाले को 7.0 से 6.0 , 60 से 50 अंक प्राप्त करने वाले को 6.0 से 5.0 के बीच ग्रेड ,50 से 40 के बीच अंक प्राप्त करने वालो को 5.0 से 4.0 और 40 से 33 अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 4.0 से 3.3 ग्रेड दिया जाएगा। यदि किसी विद्यार्थी को 33 से कम अंक मिले है तो उसको 0 ग्रेड अंक दिया जाएगा तथा उस विषय में उसका सीजी स्कोर शून्य माना जाएगा । अब मान लीजिये किसी विद्यार्थी के 85 अंक है तो उसको 8.5 ग्रेड दिया जाएगा लेकिन अगर उसके 29 अंक है तो उसको 0 ग्रेड दिया जाएगा और इसी कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। बच्चे 0 ग्रेड का अर्थ जीरो मार्क्स समझ रहे जबकि इसका अर्थ है उनको 33 से कम अंक मिले हैं। इस तरह यदि किसी विद्यार्थी को 7.2 सीजीपीए मिल रहे इसका अर्थ है उसके कुल 72 प्रतिशत अंक है।

क्या है क्रेडिट पॉइंट और ग्रेड पॉइंट

क्रेडिट पॉइंट में 100 अंक के पेपर को 25-25 अंक के चार भागों में विभाजित कर लिया जाता है और प्रत्येक 25 अंक पर एक यानी 100 अंक के एक पेपर में विद्यार्थी को कुल 4 क्रेडिट अंक दिए जाते है जो विश्वविद्यालय देता है। ग्रेड अंक का आधार विद्यार्थी का प्रदर्शन है। विद्यार्थी के इंटरनल और एक्सटर्नल परीक्षाओं में मिले प्राप्तांको के योग के आधार पर उसे ग्रेड पॉइंट अवार्ड किया जाता है। उदाहरणार्थ मान लीजिये किसी विद्यार्थी के थ्योरी में 70 में से 45 अंक है और आंतरिक मूल्यांकन में कॉलेज द्वारा उसे 30 में से 26 अंक मिले तो इसका कुल योग हुआ 71 अर्थात उसको 100 में से 71 अंक प्राप्त हुए इस 71 अंक को अगर ग्रेड की दृष्टि से देखा जाए तो ग्रेड हुआ 7.1 यही विद्यार्थी का ग्रेड पॉइंट होता है। अब किसी विद्यार्थी को 70 में 20 और 30 में 10 अंक प्राप्त हर तो उसका प्राप्तांक 30 ही होगा और चूंकि 33 से कम अंक पर शून्य ग्रेड मिलता है इसलिए उसको ग्रेड पॉइंट शून्य दिया जाएगा। इसी शून्य ग्रेड पॉइंट को विद्यार्थी शून्य प्राप्तांक समझ रहे है और भ्रमित हो रहे है। वे पूर्व की तरह इंटरनेट से प्राप्त रिजल्ट में इंटरनल और एक्सटर्नल के अंक ढूंढ रहे है इसी समस्या को त्वरित संज्ञान में लेते हुए विश्वविद्यालय ने फैसला लिया है कि मार्कशीट में क्रेडिट पॉइंट और ग्रेड पॉइंट के साथ इंटरनल और एक्सटर्नल के प्राप्तांक को भी प्रदर्शित किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों को कोई असुविधा ना हो।